SALTOC Project
Title: Ataeva: Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna kā traimāsika
Imprint: Lakhanaū : Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna
OCLC: 19061276
Volume 2, no. 9, October 1989
TOC Supplied by: Princeton University Library

अतएव

उ० प्र० हिन्दी संस्थान की मासिक पत्रिका

वर्ष : २, अंक : ९ अक्तूबर १९८९

सम्पादक

दया प्रकाश सिन्हा

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ, उ० प्र०

मूल्य—वार्षिक पैंतीस रूपये : प्रति अंक : तीन रूपये पच्चास पैसे

अतएव

अपनी बात : ४

गतिविधि : उ० प्र० हिन्दी संस्थान तथा अन्य हिन्दी सेवी संस्थाओं की गतिविधियां ६

डॉ० सम्पूर्णानन्द **के० वी० वर्मा** १५

बाबू सम्पूर्णानन्द की वैचारिक भूमिका **कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह** १७

साहित्य की परिभाषा **माधवी लता शुक्ला** २३

रत्न द्वारा रोगों की चिकित्सा **मृगांक शेखरानन्द** २५

भारतीय ऋतुओं की ज्योतिषिक मीमांसा **दीवान रामचन्द्र कपूर** २८

घर गृहस्थी देखें या नौकरी करें **श्रीमती इन्द्रा वर्मा** ३३

कविताएं : कहां जाओगे किरपाल सिंह **विजय गुप्त** ३७ / समाज के ऋण **जगदीश चन्द्र वर्मा** ३९
आलोक, भिखारी, भीड़ में **निकोलाई रेरिख** ४१

कहानी : गर्मियों की एक रात **सज्जाद जहीर** ४५

हिन्दी कविता नीरसता की ओर **डॉ० सूर्य प्रकाश शुक्ल** ५०

समीक्षा : रोचकता और भाषा का माधुर्य, वास्तविक आंकड़ों के साथ सूक्ष्म विवेचन **यशोविमलानन्द** ५४

लेखकों के विचार अपने हैं। सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।